

शुक्रवार

वर्ष: 19 अंक : 191

16 अक्टूबर 2026

पृष्ठ : 8

मूल्य 1.00 रुपये प्रति

प्रकाशन स्थल-देहरादून

RNI NO- UTTHIN/2008/25027

वेबसाइट - www.devpath.in

E-mail: devpath2018@gmail.com

देवपथ

पैनी नज़र

तीखी जुबां

गहरा असर

देवभूमि के लोगों का स्नेह, विश्वास और अपनत्व मेरे कार्यकाल की अनमोल उपलब्धि: राज्यपाल

देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के सफल कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उत्तराखण्ड के विकास, जनकल्याण और विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) का उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में कार्यकाल प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने अपने अनुभव, दूरदर्शी सोच, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों को नई दिशा देने का कार्य किया। उनके मार्गदर्शन से शिक्षा, उच्च शिक्षा, युवाओं के प्रोत्साहन, महिला सशक्तीकरण, पूर्व सैनिकों के कल्याण और जनसेवा जैसे विषयों को विशेष प्रोत्साहन मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने



अपने कार्यकाल के दौरान प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर यहां की सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास संबंधी आवश्यकताओं को निकटता से समझा। उन्होंने युवाओं को नवाचार, उद्यमिता, राष्ट्रसेवा और जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शोध, कौशल

विकास और नई पीढ़ी के सर्वांगीण विकास पर उनका विशेष जोर रहा। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों में भी उनकी रुचि और प्रतिबद्धता उल्लेखनीय रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने उत्तराखण्ड की सैन्य परंपरा, वीर सैनिकों के त्याग और राष्ट्र के प्रति उनके

समर्पण को सदैव विशेष सम्मान दिया। पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े विषयों के प्रति उनकी संवेदनशीलता तथा युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण की भावना जागृत करने के उनके प्रयास सराहनीय रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल के रूप में उन्होंने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रदेश सरकार, प्रशासन, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ समन्वय स्थापित किया। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से अनेक विषयों पर सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का सौम्य व्यक्तित्व, सरल व्यवहार, सभी के प्रति आत्मीयता और उत्तराखण्ड के प्रति विशेष लगाव सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल के रूप में उत्तराखण्ड में प्राप्त अनुभवों और यहां के लोगों के साथ बने आत्मीय संबंधों की स्मृतियां उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी रहेंगी। उन्होंने राज्यपाल के स्वस्थ, सुखमय एवं सफल भावी जीवन की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के प्रति उनके योगदान और सेवाभाव

को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश सरकार, प्रशासन, विभिन्न संस्थानों, जनप्रतिनिधियों तथा प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में कार्य करना उनके लिए गौरव और सौभाग्य का विषय रहा है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक वैभव और यहां के लोगों के स्नेह एवं आत्मीयता को निकट से अनुभव करने का अवसर मिला। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड के लोगों से प्राप्त स्नेह, विश्वास और सहयोग उनके कार्यकाल की सबसे अनमोल उपलब्धियों में शामिल हैं। यहां के लोगों का सरल स्वभाव, अतिथि सत्कार, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति गहरा जुड़ाव उन्हें सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड केवल प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक चेतना की भूमि ही नहीं, बल्कि साहस, परिश्रम, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की गौरवशाली परंपरा का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री धामी ने दो अग्निवीरों के 40वीं वाहिनी पीएसी में समायोजन को दी मंजूरी



देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय सेना से नवंबर 2026 में सेवानिवृत्त होने जा रहे अग्निवीरों के पहले बैच के दो अग्निवीरों को 40वीं वाहिनी पीएसी में उपलब्ध रिक्त पदों के सापेक्ष समायोजित किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया है। संयुक्त सचिव, भारत सरकार द्वारा प्रेषित पत्र में अवगत कराया गया था कि भारतीय सेना में अग्निवीर योजना के अंतर्गत भर्ती हुए अग्निवीरों का पहला बैच नवंबर 2026 में सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होने जा रहा है। इस क्रम में उत्तराखंड के दो अग्निवीरों के समायोजन की अपेक्षा की गई थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस प्रस्ताव पर सहमति प्रदान करते हुए 40वीं वाहिनी पीएसी में उपलब्ध रिक्त पदों के सापेक्ष दो अग्निवीरों के समायोजन को मंजूरी दी है। राज्य सरकार के इस निर्णय से सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों को आगे भी सेवा का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में शुरू की गई अग्निपथ योजना देश के युवाओं में अनुशासन, राष्ट्रसेवा और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को सशक्त कर रही है। अग्निवीर भारतीय सेना में सेवा के दौरान जो कौशल, अनुभव और अनुशासन अर्जित करते हैं, वह राष्ट्र की अमूल्य पूंजी है। हमारी सरकार अग्निवीरों के योगदान और उनकी क्षमताओं का सम्मान करती है। हमारा प्रयास है कि देश की सेवा कर चुके इन युवाओं को आगे भी प्रदेश की सेवा करने का अवसर मिले और उनके सैन्य अनुभव, अनुशासन एवं दक्षता का लाभ राज्य को प्राप्त हो। उत्तराखंड सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्रसेवा के उनके संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। - पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड

दो साल से फरार बांग्लादेशी आरोपी पश्चिम बंगाल बॉर्डर पर पकड़ा

देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)। पटेलनगर क्षेत्र में घर का दरवाजा तोड़कर जेवरात चोरी करने के मामले में करीब दो साल से फरार चल रहा बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल के मालदा में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास पकड़ा गया। हिरासत में लिए जाने के बाद दून पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर देहरादून ले आई है। आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। इंस्पेक्टर पटेलनगर नरेश राठौर ने बताया कि एक जनवरी 2024 को गुरु रोड, पटेलनगर निवासी मिली ने घर का दरवाजा तोड़कर जेवरात चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए 22 जनवरी 2024 को कानपुर निवासी मुख्य आरोपी गोविंद शुक्ला को गिरफ्तार किया था।

अकिता हत्याकांड: लोकभवन कूच पर हरीश रावत, गोदियाल और हरक सिंह समेत 30 नामजद

देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)। अकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन करना कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को भारी पड़ गया। लोकभवन कूच के मामले में कैंट कोतवाली पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत समेत 30 नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इसके अलावा 10 से 15 अज्ञात कार्यकर्ताओं को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने, बैरिकेडिंग तोड़ने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप लगाए हैं।

कांग्रेस ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय से घंटाघर तक कैंडल मार्च निकालने का ऐलान किया था। इसी क्रम में दोपहर करीब 1:35 बजे प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता एनेक्सी बैरियर पर पहुंच गए। यहां उन्होंने अकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों को



रोकने के लिए बैरिकेडिंग लगाई गई थी, लेकिन कुछ कार्यकर्ता हाथीबड़कला बैरियर पार कर लोकभवन की ओर बढ़ गए। आरोप है कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह समेत अन्य नेताओं ने पुलिस के निर्देशों की अनदेखी की। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बलपूर्वक बैरिकेडिंग पार की और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की।

पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारी लोकभवन के मुख्य गेट तक पहुंच गए और उसे पकड़कर जबरन खोलने का प्रयास किया। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को परेशानी का

सामना करना पड़ा। कैंट कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह कुंवर की ओर से मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132 और 223 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। मामले की आगे की जांच शहर कोतवाल कैलाश चंद्र भट्ट को सौंपी गई है। पुलिस अब नामजद आरोपियों के साथ अज्ञात प्रदर्शनकारियों की भूमिका की भी जांच करेगी। अकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस लगातार सरकार पर हमलावर है। इस प्रदर्शन के बाद अब मामला राजनीतिक विरोध के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई तक पहुंच गया है।

कठुली में आयोजित शिविर में 70 ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला!

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर सेवा संकल्प



संबंधित शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से 70 ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ज्येष्ठ उप प्रमुख नितिन रावत ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का मकसद सरकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों से ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खंड विकास अधिकारी रोशन लाल ने कहा कि बहुउद्देशीय शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी। इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज कटुली के प्रधानाचार्य ब्रह्मानंद आर्य, सहायक समाज कल्याण अधिकारी पंकज मेंदोली, सहायक विकास अधिकारी पंचायत कुंदन सिंह पुंडीर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

17 अक्टूबर को विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक संघ और विद्यालय प्रबंधन समिति की विशेष बैठक

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2027 (परख)में बेहतर प्रदर्शन के उद्देश्य से जनपद के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की शैक्षिक दक्षताओं में सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 17 अक्टूबर 2026 को जनपद के समस्त राजकीय विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति एवं अभिभावक-शिक्षक संघ की विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। मुख्य शिक्षा अधिकारी चमोली आकाश सारस्वत ने दिनांक 16 अक्टूबर को शिक्षा सचिव ज्योति यादव द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में बताया कि कक्षा 2, 5 एवं 8 के विद्यार्थियों के लिए 7 एवं 8 सितंबर तथा 5 अक्टूबर 2026 को आयोजित दक्षता आधारित आकलन के परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों की न्यून एवं सुधारात्मक दक्षताओं की पहचान की गई है। इन परिणामों के आधार पर विद्यालय, विकासखंड एवं जनपद स्तर पर शैक्षिक सुधार के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को आयोजित होने वाली बैठक में दक्षता आधारित आकलन के परिणामों की जानकारी अभिभावकों के साथ साझा की जाएगी। साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों एवं अधिगम स्तर पर चर्चा करते हुए उनकी कमजोरियों को दूर करने के लिए सुधारात्मक कार्ययोजना तैयार की जाएगी। मुख्य शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने अपेक्षित दक्षताएं हासिल नहीं की हैं, उनके लिए अतिरिक्त अभ्यास, पुनरावृत्ति, सुधारात्मक शिक्षण एवं शैक्षिक अनुसमर्थन की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करने तथा घर पर नियमित पठन-पाठन का अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

फ्लो बाज़ार 2026 का भव्य आगाज़, महिलाओं की प्रतिभा, वेडिंग फ़ैशन और उत्तराखण्ड की रचनात्मकता का दिखा संगम

देहरादून (निःस०) । फिक्की फूलो उत्तराखण्ड के वार्षिक प्रमुख आयोजन फूलो बाजार 2026 - द वेडिंग एडिट का शुभारंभ आज देहरादून के मालसी स्थित द सॉलिटेर फार्म्स में हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन उत्तराखण्ड सरकार के कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने किया। इस अवसर पर फिक्की फूलो उत्तराखण्ड की चेयरपर्सन तुषि बेहल, पूर्व चेयरपर्सन कोमल बत्रा, पूर्व चेयरपर्सन एवं नेशनल गवर्निंग बोर्डी सदस्य नेहा शर्मा, सीनियर वाइस चेयरपर्सन मीनाक्षी सोती, वाइस चेयरपर्सन स्मृति बत्ता, सचिव हरप्रीत मारवाह, कोषाध्यक्ष मनीत सूरी, संयुक्त कोषाध्यक्ष श्रुति गुप्ता सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए तुषि बेहल ने फूलो बाजार की परिकल्पना और महिला उद्यमियों, डिजाइनरों, शिल्पकारों तथा उभरते व्यवसायों को प्रोत्साहित करने की दिशा में संगठन के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने, नए संपर्क स्थापित करने और व्यापक ग्राहक वर्ग तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत लक्ष्मण सिद्ध मंदिर
परिसर एवं वन क्षेत्र में चलाया स्वच्छता अभियान

देहरादून (निस०)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को हर्वाला स्थित लक्ष्मण सिद्ध मंदिर परिसर एवं आसपास के वन क्षेत्र में स्वच्छता अभियान एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान में हर्वाला के पार्षद, नगर निगम देहरादून की टीम, वन विभाग की टीम तथा वेस्ट वॉरियर्स संस्था ने संयुक्त रूप से सहभागिता की। सभी ने श्रमदान कर मंदिर परिसर एवं वन क्षेत्र से प्लास्टिक सहित अन्य कचरा एकत्रित किया। अभियान के दौरान एकत्रित प्लास्टिक कचरे को उचित प्रबंधन एवं प्रसंस्करण के लिए वेस्ट वॉरियर्स संस्था के स्वच्छता केंद्र भेजा गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपील की गई कि वे मंदिर परिसर एवं आसपास के वन क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें और कचरा इधर-उधर न फेंकें।

अभियान के विकासखंड खिसू के राजकीय इंटर कॉलेज कटुली में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोक निर्माण विभाग (लोनिवि), जल संस्थान और वन विभाग से पर ही निस्तारण किया गया। ग्रामीणों को लाभान्वित किया त ने कहा कि सेवा संकल्प तक पहुंचाना और उनकी से ग्रामीणों की समस्याओं ण करने को कहा। उन्होंने विभिन्न विभागों की सेवाएं अधिकारी रोशन लाल ने य योजनाओं की जानकारी

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । सेवायोजन विभाग के तत्वाधान में शुक्रवार को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बीजीआर परिसर पौड़ी में लघु रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न कंपनियों ने प्रतिभाग कर शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। रोजगार मेले में कुल 110 अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार दिया, जिनमें से 30 अभ्यर्थियों को कंपनियों ने चयन प्रक्रिया के दूसरे चरण के लिए चुना।

सेवायोजन अधिकारी अजय सिंह ने बताया कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु आयोजित मेले में क्वेस कॉर्प लिमिटेड (टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो), एसआईएस, एसबीआई लाइफ, सीपेट और एलआईसी सहित विभिन्न प्रतिष्ठित नियोजकों ने प्रतिभाग किया। कंपनियों की ओर से

सिक्वोरिटी ऑफिसर, अप्रेंटिस, मशीन ऑपरेटर, सेल्स इन्श्योरेंस और प्रोडक्शन ट्रेनी सहित विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए गए। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं और नियोजकों को साझा मंच उपलब्ध कराया गया, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसरों से जुड़ने में मदद मिली।

रोजगार मेले के दौरान अभ्यर्थियों को करियर काउंसिलिंग भी प्रदान की गई। काउंसिलिंग सत्र में युवाओं को करियर निर्माण, कौशल विकास और स्वरोजगार के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी। इस दौरान कौशल इकोसिस्टम अपनाने तथा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना (एमकेवीवाई) के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करने पर जोर दिया गया।

अभ्यर्थियों को विदेश रोजगार प्रकोष्ठ के माध्यम से विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की



जानकारी भी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) सहित विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। मेले में युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी रुचि दिखाई। इस अवसर पर प्रो. डॉ. किरण बाला, आशीष कुमार, हिमांशु चमोली, लक्ष्मी अंथवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

विजय कपरूवाण बने श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव प्रभारी!

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल। विजय कपरूवाण जी को श्रीनगर विधानसभा का चुनाव प्रभारी बनने पर जिला विधि प्रकोष्ठ भाजपा पौड़ी गढ़वाल एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दी हार्दिक बधाई। भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा वरिष्ठ एवं निष्ठावान नेता श्री विजय कपरूवाण जी को श्रीनगर विधानसभा का चुनाव प्रभारी बनाए जाने पर जिला विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपार हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर अनूप श्री पांथरी (संयोजक, जिला विधि प्रकोष्ठ, भाजपा जिला पौड़ी गढ़वाल) एवं अर्जुन सिंह भंडारी (पूर्व अध्यक्ष, बार कार्डसिल ऑफ उत्तराखंड) ने कहा कि विजय कपरूवाण जी के कुशल नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और मार्गदर्शन में आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी और संगठन को नई मजबूती मिलेगी।



12 दिसम्बर 2026 को प्रदेशभर में आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

देहरादून (निःसं०)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के तत्वावधान में दिनांक 12 दिसम्बर 2026 (शनिवार) को प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक राज्यभर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण मा० उच्च न्यायालय के सदस्य सचिव श्री प्रदीप कुमार मणी ने राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया है कि इस अवसर

पर उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, नैनीताल एवं राज्य के समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सहयोग से प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय, समस्त जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों, सभी पारिवारिक न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, वाणिज्यिक न्यायालयों, राज्य एवं जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोगों तथा ऋण वसूली अधिकरण, देहरादून में विभिन्न प्रकार के वादों एवं मामलों का निस्तारण किया जाएगा। सदस्य सचिव उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि जो भी व्यक्ति अपने लंबित अथवा प्री-लिटिगेशन

(वाद पूर्व) मामलों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कराना चाहते हैं, वे दिनांक 11 दिसम्बर 2026 तक किसी भी कार्यदिवस में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से संबंधित न्यायालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर अपने मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सूचीबद्ध करवा सकते हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल अथवा अपने संबंधित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकते हैं।

देहरादून में 11 हजार कन्या पूजन का संकल्प, केंद्रीय मंत्री रहे मौजूद

देहरादून (नि०स०)। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर राजधानी देहरादून में धार्मिक और सामाजिक आयोजनों का सिलसिला तेजी से आगे बढ़ रहा है। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल के नेतृत्व में शहरभर में 11 हजार कन्या पूजन का लक्ष्य तय किया गया है, जिसके तहत पांचवें दिन स्कंदमाता की आराधना के साथ पटेल नगर पश्चिम और पंडितवाड़ी क्षेत्रों में भव्य सामूहिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इन आयोजनों में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने शिरकत की, जिससे स्थानीय स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक हलचल बढ़ गई है। शारदीय नवरात्रि के पंचम दिवस पर वार्ड संख्या 44 के पटेल नगर स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में विशेष सामूहिक कन्या पूजन का आयोजन किया गया। यहां विधि-विधान से कन्याओं का पूजन कर मां स्कंदमाता से क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की गई। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री भगवत प्रसाद मकवाना और महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने संयुक्त रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बस्ती के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और स्थानीय स्तर पर मातृशक्ति के सम्मान का संदेश घर-घर तक पहुंचाया गया।

देहरादून में सीएनजी भराने पर बवाल, 5 हड़दंगी पहुंचे हवालात

देहरादून (नि०स०)। राजधानी देहरादून के थाना क्लेमेटाउन क्षेत्र में स्थित एक सीएनजी पेट्रोल पंप पर सीएनजी भराने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। सार्वजनिक स्थान पर खुलेआम हुड़दंग मचा रहे और शांति व्यवस्था भंग कर रहे दो पक्षों के 5 युवकों को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी की सख्ती के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्रह्मस्) की धारा 170 के तहत वैधानिक कार्रवाई

की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अक्टूबर की देर शाम थाना क्लेमेंटाउन पुलिस को सीएनजी पंप पर मारपीट और हुड़दंग की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस कर्मियों ने उग्र हो रहे युवकों को समझाने और शांत कराने का काफी प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्षों के लोग बहसबाजी छोड़कर आपस में मारपीट पर उतारू हो गए। मौके पर लगातार बिगड़ती शांति व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांचों युवकों को हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार

किए गए अभियुक्तों की पहचान सुधीर (26) पुत्र राम कुमार, सुनील कुमार (29) पुत्र राम कुमार, शुभम (29) पुत्र ओमपाल सिंह (तीनों निवासी पटेलनगर, देहरादून) तथा हर्षित (18) पुत्र किशन और विशाल कुमार (24) पुत्र मेमपाल (दोनों निवासी तकीपुर, थाना बिहारीगढ़, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पृच्छाछ में सामने आया कि पंप पर गाड़ियों की लाइन में आगे निकलने की होड़ को लेकर बहस शुरू हुई थी, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई।

उन्होंने कहा कि पहले स्वच्छता कर्मियों से काम लेने के बाद उनकी मजदूरी और मानदेय में कटौती कर दी जाती थी। कई बार पूरा पैसा भी नहीं दिया जाता था। अब ऐसी मनमानी नहीं चलेगी। सरकार ने मानदेय में कटौती पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स कॉरपोरेशन के माध्यम से कर्मियों को न्यूनतम 16 हजार रुपये मानदेय देने की व्यवस्था की गई है। उन्हें ईएसआई के तहत अस्पतालों में उपचार, सुरक्षा बीमा और पीएफ का लाभ भी मिलेगा। दुर्घटना में मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक सहायता मिल सकेगी।



सम्पादकीय

अब बदल गया सवाल

भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है- कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती। अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव करना पड़ेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर, अलग-अलग तरह की काम करने की प्रक्रियाएं और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल का अलग-अलग स्तर है। छोटे अस्पतालों के लिए तकनीक पर खर्च किया गया हर रुपया बिस्तरों, उपकरणों और कर्मचारियों पर होने वाले खर्च से जुड़ा होता है। इसलिए हमेशा यह सवाल रहा कि क्या नई व्यवस्था वास्तव में ऐसी समस्या का समाधान करेगी, जिसका समाधान जरूरी है। अब सवाल बदल गया है। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मरीजों की जानकारी अलग-अलग जगह बंटी रहने की वजह से अस्पतालों और मरीजों को पहले से कितना नुकसान हो रहा है। मरीज के इलाज का पूरा सफर इस समस्या को साफ दिखाता है। वह पहले किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती। इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती है। लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे अपने पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अलग-अलग कंपनियों के अलग-अलग प्रारूप और एक-दूसरे से मेल न खाने वाली डिजिटल व्यवस्थाओं ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब जानकारी को अलग-अलग जगह बंद रखने की कीमत इतनी बढ़ गई है कि इसका नुकसान मरीजों और अस्पतालों, दोनों को हो रहा है। इसी वजह से निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन यानी एबीडीएम को एक अलग नजरिए से देखना शुरू किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि अलग-अलग डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक समान मानकों की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मरीज जहां भी इलाज कराए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी अगले डॉक्टर या अस्पताल के काम आ सके। दुनिया के अलग-अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जब मरीज की स्वास्थ्य जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंचती, तो मरीज को खराब अनुभव हो सकता है, एक ही जांच बार-बार हो सकती है और इलाज में देरी हो सकती है। इसके विपरीत, अलग-अलग स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल से जांचों की दोहराव वाली जरूरत और अस्पताल में दोबारा भर्ती होने के मामलों में कमी देखी गई है।

समवशरण महामंडल विधान के छठे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति और उत्साह के साथ हुआ गरबा व प्रश्न मंच का आयोजन



तथा परंपरा से समवशरण के दर्शन और तीर्थकर प्रकृति के बंध का पुण्यकारी अवसर प्राप्त होता है। ऐसे धार्मिक अनुष्ठान आत्मकल्याण एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मीडिया समन्वयक मधु जैन ने बताया कि 16 अक्टूबर को सायं 6:30 बजे से जैन भवन में गरबा का भव्य आयोजन किया गया। इसमें पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागी आकर्षक एवं सुंदर पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर पहुंचे। विशेष रूप से गरबा की सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा में आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। गरबा कार्यक्रम के पश्चात भक्तिभाव के साथ महाआरती की गई। इसके बाद 24 तीर्थंकरों पर आधारित प्रश्न मंच का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रश्न मंच के विजेताओं को चांदी के पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ एवं पुण्यार्जन किया। साथ ही गुरु वंदना सीजन 2 हाउजी का टाइटल गाने की लॉन्चिंग भी की गई एवं वीडियो टीजर भी बनाए गए... सांकेतिक टिकट वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर सकल दिगम्बर जैन समाज, श्री विद्या समय पूर्ण वर्षायोग समिति, विभिन्न जैन संस्थाओं के सदस्य एवं पदाधिकारी, जैन भवन कार्यकारिणी के सदस्य तथा समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नवरात्रि विशेष : देवी का षष्ठम स्वरूप कात्यायनी

राजीव नन्दन मिश्र

नवरात्रि का आज षष्ठम दिवस है। आज का यह दिवस भगवती देवी कात्यायनी को समर्पित है। देश भर में अनेक स्थानों पर भक्ति कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। देवी-जागरण एवं देवी-भजन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। मन्दिर और घर 'जय माता दी' के जयकारों से गुंजायमान है। हर जगह के देवी पंडाल भी सज-धजकर तैयार हो चुके हैं।

पंडाल में मूर्ति स्थापना के बाद अब मूर्ति का पट भी कल सप्तमी तिथि को खुल जायेगा, जिसका सभी को बेसब्री से प्रतीक्षा है। देवी के पूजन के साथ ही कई जगह रामलीला का भी मंचन किया जा रहा है। प्रभु राम ने देवी के नव दिनों के आराधना के बाद ही विजयादशमी को रावण का संहार किया था। इसलिए नव दिनों तक राम के सद्चरित्रों को लीला के माध्यम से दर्शकों को पात्रों द्वारा मंचन कर दिखाया जाता है एवं विजयादशमी को अधर्म पर धर्म के जीत के रूप में मनाया जाता है। अगर रामायण के पात्र देवी सीता पर केन्द्रित करें तो यह स्पष्ट होता है कि मातृशक्ति का प्रत्येक रूप देवी सीता में समाहित है। माँ सीता स्वयं प्रभु राम को पति रूप में पाने हेतु देवी पार्वती का पूजन-स्तवन की थी। जिसका उल्लेख श्रीरामचरितमानस में प्राप्त होता है। आज नवरात्रि के षष्ठी तिथि को श्रद्धालु माँ कात्यायनी का विधि-विधान से पूजन करेंगे। इस स्वरूप के पूजन से विवाहादि का योग प्रबल होता है एवं मनचाहा पति मिलता है।

ध्यान मन्त्र -

चन्द्रहासोज्ज्वलकरा

शार्दूलवरवाहन ।

कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी

दानवघातिनी ॥

अर्थ - जिन देवी के हाथों में चन्द्रहास के समान चमकती हुई तलवार शोभायमान है, जो श्रेष्ठ सवारी शेर पर सवार है। जो दानवों का नाश करती है वो माँ भगवती देवी कात्यायनी हमें शुभता प्रदान करें एवं



कल्याण व मंगल प्रदान करें।

मन्त्र - !! ॐ देवी कात्यायन्यै नमः

!!

देवी का स्वरूप -

माँ का षष्ठम स्वरूप कात्यायनी है। माँ अपने भक्तों की सदा रक्षा करती है। ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में भी जानी जाती हैं। इनका स्वरूप अत्यंत भव्य और दिव्य है। यह स्वर्ण के समान चमकीली हैं और भास्वर हैं। देवी कात्यायनी की चार भुजाएँ हैं। दाहिनी तरफ का ऊपरी हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वरमुद्रा में है। बाईं तरफ के ऊपरी हाथ में धारण की हुई तलवार से देवी असुरों के नाश को आतुर है तो वही नीचे वाले हाथ में कमल-पुष्प धारण कर सुशोभित हो रही है।

देवी कात्यायनी की कथा-

पौराणिक कथा के अनुसार कात्य गोत्र के विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन थे। महर्षि कात्यायन ने कई वर्षों तक भगवती पराम्बा की उपासना की। देवी के परम् उपासक कात्यायन ऋषि की इच्छा थी कि उन्हें पुत्री रूप में संतान प्राप्त हो। उनकी यह भी इच्छा थी कि माँ दुर्गा ही उनकी पुत्री बनकर उनके घर जन्म लें। इस इच्छा से ही महर्षि कात्यायन देवी दुर्गा की कठिन उपासना करने लगे। यह उपासना वर्षों तक चलता रहा। पूर्ण श्रद्धा एवं निष्ठा से ऋषि द्वारा कि गयी साधना से देवी दुर्गा प्रसन्न हुई। देवी ने उन्हें दर्शन दिया एवं वरदान मांगने को कहा। महर्षि ने उनकी स्तुति की एवं बार बार प्रार्थना करते हुए कहने लगे- हे देवी ! आप तो सब जानने वाली है। मेरी इच्छा है कि आप मेरे घर मेरी पुत्री के रूप में जन्म ले। उनकी तपस्या से प्रसन्न देवी दुर्गा ने उनसे कहा- हे महर्षि ! हम आपकी सच्ची आराधना से प्रसन्न हैं और आपकी यह कामना शीघ्र पूर्ण होगी। कात्यायन ऋषि, देवी से वरदान पाकर बेहद प्रसन्न हुए। समयोपरान्त माँ भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। ऋषी कात्यायन

के घर देवी का पुत्री रूप में जन्म लेने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी हुआ। एक और कथानुसार जब दानव महिषासुर का अत्याचार पृथ्वी पर बढ़ता गया और अपने चरम पर आ गया तब भगवान् ब्रह्मा, विष्णु, महेश त्रिदेवों ने अपनी-अपनी शक्ति को एक जगह समाहित किया। अर्थात् महिषासुर के सर्वनाश हेतु एक देवीको उत्पन्न किया। महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इस देवी की पूजा की। इस कारण से यह कात्यायनी कहलायीं।

देवी कात्यायनी की शक्ति-

नवरात्रि के षष्ठम दिवस साधक का मन आज्ञा चक्र में अवस्थित होता है। इनकी चार भुजाएँ हैं।

माँ के दो भुजाओं में क्रमशः कमल और तलवार सुशोभित है। एक भुजा वर मुद्रा और दूसरी भुजा अभय मुद्रा में है। इनका वाहन सिंह है। गोपियों ने श्रीकृष्ण की प्राप्ति के लिए इनकी पूजा और आराधना की थी। इसी कारण ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी हैं। जो भी स्त्री योग्य और मनचाहा पति चाहती हो तो देवी के इस स्वरूप की आराधना कर इन्हें प्रसन्न करना चाहिए। इनकी कृपा से शीघ्र मनचाहा पति प्राप्त होता है। अगर कुंडली में विवाह के योग न हों तो भी इनकी आराधना से विवाह हो जाता है। इनकी आराधना से शत्रु बाधा शान्त होता है। देवी के आराधना से भक्तों के सकल मनोरथ पूर्ण होते हैं। इनकी पूजा से रोग, शोक, संताप, भय आदि का नाश होता है।

देवी कात्यायनी को प्रिय-

देवी कात्यायनी को लाल अथवा पीले रंग पसन्द हैं। देवी के पूजन में पीले अथवा लाल फूल अर्पित करना चाहिए। शहद देवी को अत्यंत प्रिय है इसलिए कात्यायनी माँ को भोग में विशेष रूप से शहद अर्पित करना चाहिए।

आपकी जरूरतों के हिसाब से लगातार बेहतर बन रहा है एआईप्लस स्मार्टफोन

देहरादून (नि॰स॰)। एआईप्लस स्मार्टफोन ग्राहकों के सुझावों और उनके फोन इस्तेमाल करने के अनुभवों के आधार पर अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेस में लगातार सुधार कर रहा है। ग्राहकों के रिव्यू, रोजाना फोन इस्तेमाल करने के तरीके और आफ्टर-सेल्स सपोर्ट के दौरान मिली जानकारी के आधार पर कंपनी कैमरे की स्थिरता, कनेक्टिविटी और परफॉर्मेंस से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए सॉफ्टवेयर अपडेट, बेहतर टेस्टिंग और कस्टमर सपोर्ट में सुधार कर रही है। कंपनी का उद्देश्य सिर्फ ग्राहकों के लिए प्रोडक्ट बनाना नहीं, बल्कि उनके सुझावों के साथ मिलकर बेहतर अनुभव प्रदान करना है। एआईप्लस स्मार्टफोन के अलग-अलग मॉडल्स को उनके डिजाइन, कैमरा, बैटरी, परफॉर्मेंस और कीमत के लिए ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। नोवा 2 नियो 5जी को बैटरी परफॉर्मेंस और किफायती कीमत के लिए पसंद किया गया है, जबकि नोवा 2 पॉवर 5जी को उसके ओवरऑल अनुभव और ड्यूल-टोन डिजाइन, खासकर ब्लू फ्यूजन कलर के लिए सराहना मिली है। नोवा 2 अल्ट्रा 5जी को फोटोग्राफी, परफॉर्मेंस और एमोलेड डिस्प्ले के लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसी तरह, नोवा 2 5जी और नोवा 2 प्रो 5जी को उनके ओवरऑल अनुभव और वैल्यू फॉर मनी के लिए पसंद किया गया है, जबकि एआईप्लस पल्स 2 को बैटरी, डिस्प्ले और डिजाइन के लिए सराहा गया है। अच्छे रिव्यू के साथ-साथ, एआईप्लस स्मार्टफोन ग्राहकों के सुझावों के आधार पर उन क्षेत्रों की भी पहचान कर रहा है, जहां सुधार की जरूरत है। कैमरे की स्थिरता, कनेक्टिविटी और फोन की परफॉर्मेंस से जुड़ी समस्याओं को प्रोडक्ट और टेक्निकल टीमों के साथ साझा किया जा रहा है।

राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गया मंत्री रेखा आर्य का घरेलू विवाद

देहरादून (नि॰स॰)। उत्तराखंड की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पारिवारिक विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। सोमेश्वर से विधायक और प्रदेश सरकार में महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने अपने पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। मंत्री ने पति पर पहली शादी की बात छिपाकर विवाह करने, शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न, मारपीट, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। शिकायत में एक कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग का हवाला देते हुए खुद और अपने नाबालिग बच्चों की हत्या की साजिश रचे जाने की आशंका भी जताई गई है। करीब 22 साल पुराने वैवाहिक रिश्ते से जुड़ा यह विवाद अब सार्वजनिक होने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गया है। मामला इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि रेखा आर्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस घटनाक्रम के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही हो सकेगी। गिरधारी लाल साहू से जुड़े पारिवारिक विवाद पहले भी सार्वजनिक चर्चा में रहे हैं। अलग-अलग मौकों पर उनकी कथित पहली पत्नी और अन्य महिलाओं से जुड़े प्रकरणों की खबरें सामने आई थीं। जनवरी 2022 में गिरधारी लाल साहू ने रिकू साहू को अपना पुत्र बताया था। रिकू के बरेली में साहू समाज की राजनीति से जुड़े होने की भी चर्चा रही है।

पोवा त्योहार इस फेस्टिव सीज़न में ग्राहकों के लिए लेकर आया है शानदार इनाम

देहरादून (नि॰स॰)। इस फेस्टिव सीज़न में नया पोवा स्मार्टफोन खरीदने पर ग्राहकों को सिर्फ एक स्मार्टफोन ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक पाने का मौका मिल सकता है। 11 अक्टूबर से 14 नवंबर, 2026 तक चलने वाले पोवा त्योहार के तहत, किसी भी रिटेल आउटलेट से पोवा का कोई भी स्मार्टफोन खरीदने वाले ग्राहक फेस्टिव लकी ड्रॉ में हिस्सा ले सकते हैं। इस लकी ड्रॉ के जरिए ग्राहकों को फोर-व्हीलर, मोटरसाइकिल, इलेक्ट्रिक स्कूटर, गोल्ड वाउचर और चांदी सहित कई आकर्षक इनाम जीतने का मौका मिल सकता है। इस कैपेन में भाग लेने की प्रक्रिया बेहद आसान है। ग्राहकों को कैपेन की अवधि के दौरान किसी भी रिटेल आउटलेट से पोवा का कोई भी स्मार्टफोन खरीदना होगा। इसके बाद, कैपेन का क्लक कोड स्कैन करके अपना नाम, फोन नंबर और दृक्छद्म नंबर भरना होगा। जानकारी सबमिट करते ही ग्राहक 21 अक्टूबर, 1 नवंबर और 15 नवंबर को आयोजित होने वाले मेगा ड्रॉ सहित लकी ड्रॉ में शामिल हो जाएंगे।

समयबद्ध और त्रुटिरहित जनगणना के लिए चमोली में 33 फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपन्न

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)जनपद चमोली में जनगणना के द्वितीय चरण के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिला मुख्यालय गोपेश्वर स्थित जिला सभागार में कुल 33 फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। प्रशिक्षण जिला जनगणना मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य कृषि अधिकारी जयप्रकाश तिवारी द्वारा प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला जनगणना अधिकारी के निर्देशों के क्रम में प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के उपरांत फील्ड ट्रेनर जनपद के विभिन्न चार्ज स्तरों पर प्रणकों एवं सुपरवाइजरों को जनगणना संबंधी प्रक्रियाओं, कार्यप्रणाली और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य जनगणना कार्य को व्यवस्थित, त्रुटिरहित एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद चमोली में 1 दिसंबर से 4 जनवरी तक जनगणना का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 5 जनवरी से 9 जनवरी तक पुनरीक्षण कार्य संपन्न होगा। वहीं, 4 जनवरी को शाम 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक बेघर व्यक्तियों की गणना की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान सहायक भूलेख अधिकारी श्री राकेश पल्लव, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर श्री अमन कुमार एवं श्री गौरव पुरोहित ने फील्ड ट्रेनरों को जनगणना निदेशालय, उत्तराखंड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन, प्रशिक्षण की प्रक्रिया तथा जनगणना कार्य के प्रभावी संचालन के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। जिला प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत जिम्मेदारीपूर्वक कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जनपद में जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

महिंद्रा ने लॉन्च की एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी

देहरादून (नि॰स॰)। देश की प्रमुख एसयूवी निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी लॉन्च की। कंपनी के इस पहले मुख्यधारा के सीएनजी यात्री वाहन की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये रखी गई है।

एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी के साथ महिंद्रा ने सीएनजी सेगमेंट में दमदार ड्राइविंग अनुभव देने की कोशिश की है। इसमें टर्बोचार्ज्ड इंजन दिया गया है, जो सीएनजी और पेट्रोल, दोनों मोड में 82 किलोवाट की पावर और 200 एनएम का टॉर्क देता है। एसयूवी की प्रमाणित ईंधन दक्षता 24.7 किमी प्रति किलोग्राम है। इससे ग्राहक ड्राइविंग के रोमांच से समझौता किए बिना कम खर्च में गाड़ी चलाने का विकल्प चुन सकते हैं।

एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी में टर्बो इंजन की ताकत, आकर्षक डिजाइन, पर्याप्त जगह, आधुनिक तकनीक, आराम और सुरक्षा

का मेल दिया गया है। कंपनी के मुताबिक, यह एसयूवी उन ग्राहकों के लिए खास विकल्प है, जो सीएनजी के कम परिचालन खर्च के साथ दमदार प्रदर्शन वाली एसयूवी चाहते हैं। यह गाड़ी पहली बार एसयूवी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए भी एक विकल्प है। इसके शुरुआती वैरिएंट में ही 26.03 सेंटीमीटर की एचडी टचस्क्रीन, क्रूज कंट्रोल, पीछे एसी वेंट और 60:40 अनुपात में विभाजित होने वाली पिछली सीट दी गई है। इस तरह ग्राहक सीएनजी के किफायती इस्तेमाल के साथ एक्सयूवी 3एक्सओ की तकनीक, उपयोगिता और ड्राइविंग अनुभव का लाभ उठा सकते हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव कारोबार के अध्यक्ष डॉ. वेलुसामी आर. ने कहा, ‘एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी का स्पष्ट वादा है—



बिना किसी समझौते के बेहतर अनुभव। आज ग्राहक एसयूवी की जगह, तकनीक, सुरक्षा और ड्राइविंग अनुभव के साथ सीएनजी का कम खर्च भी चाहते हैं। सेगमेंट में सबसे ज्यादा टॉर्क, टर्बोचार्ज्ड परफॉर्मेंस और शानदार ईंधन दक्षता के साथ यह गाड़ी सीएनजी की उपयोगिता और एसयूवी के रोमांच को एक साथ लाती है। इससे सीएनजी एसयूवी को लेकर ग्राहकों की अपेक्षाओं के लिए नया मानक तय होगा।

अवैध निर्माण पर MDDA का शिकंजा, इंजीनियर्स एन्क्लेव में व्यावसायिक निर्माण सील

देहरादून (नि॰स॰)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (MDDA) की ओर से राजधानी देहरादून में अवैध प्लाटिंग और बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जा रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्राधिकरण की ओर से नियमों का उल्लंघन कर किए जा रहे निर्माण कार्यों को चिह्नित कर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्राधिकरण की टीम ने इंजीनियर्स एन्क्लेव, कावली क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र के व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किए जा रहे निर्माण पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। यह कार्रवाई पुलिस बल की मौजूदगी में की गई।

बिना मानचित्र स्वीकृति के हो रहा था निर्माण

प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनिल सक्सेना एवं अन्य की ओर से मिलन विहार के सामने, इंजीनियर्स एन्क्लेव, कावली, देहरादून स्थित स्थल पर बिना मानचित्र स्वीकृति के व्यावसायिक कार्यों के लिए टिन शेड और कमरों का निर्माण किया जा रहा था। निर्माण कार्य के लिए आवश्यक स्वीकृति नहीं होने के कारण प्राधिकरण ने मामले का संज्ञान लेते हुए संबंधित पक्ष के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की।

MDDA की ओर से उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973) संशोधन अधिनियम, 2009 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत संबंधित पक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके साथ ही मौके पर चल रहे अवैध निर्माण कार्य को रोकने के निर्देश भी दिए गए। प्राधिकरण ने मामले में वाद योजित करते हुए नियमानुसार सुनवाई की प्रक्रिया शुरू की।

अंकिता भंडारी केस: दुष्यंत गौतम की बर्खास्तगी को राष्ट्रपति भवन तक मार्च

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी का नाम सामने आने और बीजेपी नेता दुष्यंत गौतम को राज्यपाल नियुक्त किए जाने के विरोध में अब आंदोलन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक पहुंच गया है। उत्तराखंड के विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों ने 18 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन तक पैदल मार्च निकालने का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य दुष्यंत गौतम को राज्यपाल पद से हटाने और अंकिता केस में छिपे वीआईपी के नाम का पर्दाफाश करने की मांग करना है। उत्तराखंड कांग्रेस

के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि अंकिता भंडारी की हत्या के समय रिजॉर्ट में जिस ‘कथित वीआईपी’ को विशेष सेवा देने का दबाव बनाया जा रहा था, उसमें लगातार राजनीतिक गलियारों में सवाल उठते रहे हैं। धीरेंद्र प्रताप के अनुसार, ऐसे संवेदनशील मामले में नाम उछलने के बावजूद दुष्यंत गौतम को संवैधानिक पद पर बैठाना राज्य की जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। इसी के विरोध में 18 अक्टूबर को इंडिया गेट पर देश भर के नागरिक और संगठन एकत्र होकर राष्ट्रपति भवन का रुख करेंगे। सितंबर 2022

में ऋषिकेश के वनतरा रिजॉर्ट में रिसीप्शनिस्ट के रूप में काम करने वाली 19 वर्षीय अंकिता भंडारी की नहर में फेंककर हत्या कर दी गई थी। मुख्य आरोपी पुलकित आर्य और उसके साथियों की गिरफ्तारी के बाद जांच में यह बात सामने आई थी कि अंकिता पर किसी वीआईपी को ‘स्पेशल सर्विस’ देने का अनैतिक दबाव बनाया जा रहा था। रिजॉर्ट का पिछला हिस्सा रातों-रात ढहाए जाने और वीआईपी का नाम सार्वजनिक न होने से राज्य में आक्रोश लगातार बना हुआ है। अब इस मुद्दे को लेकर देहरादून से लेकर दिल्ली तक जन-आंदोलन तेज हो गया है।

बसंत विहार का शहीद विवेक गुप्ता चौक दूधिया रोशनी से नहाया, विधायक ने किया सोलर लाइट का उद्घाटन

देहरादून के 12 प्रमुख चौराहों पर जगमग होंगी सोलर लाइटें, एमडीडीए और उरेडा का बड़ा फैसला



देहरादून (नि॰स॰)। राजधानी देहरादून के सबसे व्यस्त व्यापारिक और आवासीय क्षेत्रों में शुमार बसंत विहार स्थित शहीद विवेक गुप्ता चौक का अंधेरा अब पूरी तरह दूर हो गया है। मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण और उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अधिकरण (ऋषष्ठ) की संयुक्त पहल के तहत चौराहे पर स्थापित सोलर हाई मास्ट लाइट का शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक सविता कपूर ने औपचारिक लोकार्पण किया। कैट विधानसभा क्षेत्र की विधायक सविता कपूर ने सोलर हाई मास्ट लाइट का बटन दबाकर चौराहे को दूधिया रोशनी से सराबोर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहीद चौक क्षेत्र का एक बेहद महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां से रोजाना हजारों की संख्या में पैदल यात्री और वाहन चालक गुजरते हैं। लंबे समय से इस बड़े चौराहे पर पर्याप्त रोशनी न होने से आम जनता को आवाजाही में परेशानी होती थी। अब यहां सोलर हाई मास्ट लाइट लगने से स्थानीय लोगों, व्यापारियों और राहगीरों को आवाजाही में बड़ी सहूलियत मिलेगी। देहरादून शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों को हरित ऊर्जा से रोशन करने के लिए प्रशासन ने व्यापक खाका तैयार किया है। विधायक सविता कपूर के अनुसार उरेडा और एमडीडीए के माध्यम से अब तक कैट व आसपास के 12 अलग-अलग प्रमुख स्थानों को चिह्नित कर वहां सोलर हाई मास्ट लाइटें लगाई जा चुकी हैं। कारगिल युद्ध के अमर शहीद कैप्टन विवेक गुप्ता (महावीर चक्र) के नाम पर बने इस चौक का सौंदर्यीकरण और प्रकाश व्यवस्था का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया गया है। सार्वजनिक स्थलों पर सोलर लाइटें लगने से न केवल नगर निगम की पारंपरिक बिजली खपत में कमी आएगी, बल्कि रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और संदिग्ध गतिविधियों पर भी लगाम लगेगी। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता अमित कपूर, स्थानीय पार्षद अंकित अग्रवाल, पार्षद रमेश काला, मंडल अध्यक्ष सुमित पांडे और मनीष पाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में शहर के अन्य अंधेरे वाले चौराहों को भी इसी तर्ज पर जगमग किया जाएगा।

बच्चों को पाठ याद करने में मदद करने के लिए अपनाएं ये तरीके, काम होगा आसान



बच्चों के लिए पाठ याद करना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है। यह लेख माता-पिता के लिए कुछ सरल और असरदार तरीके पेश करता है, जिनसे वे अपने बच्चों को पाठ याद करने में मदद कर सकते हैं। इन तरीकों से न केवल बच्चों की याददाश्त बेहतर होगी, बल्कि वे पढ़ाई में भी रुचि लेंगे और समझदारी से सीखेंगे। आइए जानें कि कैसे माता-पिता अपने बच्चों की मदद कर सकते हैं।

नियमित अभ्यास करें

नियमित अभ्यास किसी भी चीज को याद करने का सबसे अच्छा तरीका है। बच्चों को हर दिन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पाठ पढ़ने और दोहराने की आदत डालें।

इससे उनका दिमाग जानकारी को धीरे-धीरे समझ सकेगा और लंबे समय तक याद रख सकेगा। इसके लिए आप

रोजाना एक निश्चित समय निर्धारित कर सकते हैं, जैसे कि सुबह या शाम का समय।

इससे उनकी दिनचर्या भी बनी रहेगी और वे बेहतर तरीके से सीख पाएंगे।

चित्र और आरेख का उपयोग करें

चित्र और आरेख का उपयोग करना बच्चों की याददाश्त को बढ़ाने का एक असरदार तरीका हो सकता है।

जब बच्चे किसी विषय को चित्रित करते हैं तो वे उसे बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और याद भी रखते हैं।

आप उन्हें चित्र बनवाकर समझा सकते हैं या फिर फ्लैशकार्ड का उपयोग कर सकते हैं। इससे उनका दिमाग जानकारी को दृश्य रूप में देख सकेगा, जिससे याद रखना आसान हो जाएगा।

कहानियों का सहारा लें

कहानियों के माध्यम से पाठ पढ़ाना

बच्चों के लिए बहुत मजेदार हो सकता है। जब आप किसी कहानी के रूप में पाठ प्रस्तुत करते हैं तो बच्चे उसे आसानी से याद रखते हैं, क्योंकि उनकी रुचि बनी रहती है।

आप उन्हें कहानियों में डूबोकर जरूरी बातें समझा सकते हैं और इससे उनका ध्यान भी बना रहता है।

यह तरीका न केवल मनोरंजक होता है, बल्कि सीखने में मददगार भी है, जिससे बच्चे बेहतर तरीके से सीखते हैं।

सवाल-जवाब करें

सवाल-जवाब करना बच्चों की समझदारी को बढ़ाने का अच्छा तरीका हो सकता है।

जब आप उनसे पूछते हैं कि उन्होंने क्या सीखा तो वे अपनी बात साफ-साफ बता पाते हैं और उनकी जानकारी गहरी होती जाती है।

इसके अलावा आप उन्हें छोटे-छोटे सवाल पूछकर उनकी याददाश्त को परख सकते हैं।

इससे बच्चों को खुद को परखने का मौका मिलता है और वे अपने ज्ञान को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

खेल-खेल में सिखाएं

खेल-खेल में सीखना बच्चों के लिए सबसे आकर्षक तरीका होता है। आप खेलों की मदद से उन्हें जरूरी बातें सिखा सकते हैं, जैसे कि पहेलियां, कविता या कोई अन्य शैक्षिक खेल। इससे उनका मनोरंजन भी होता है और वे आसानी से नई चीजें सीख पाते हैं। इन तरीकों से माता-पिता अपने बच्चों को न केवल बेहतर तरीके से पढ़ा सकते हैं, बल्कि उनके सीखने के अनुभव को मजेदार भी बना सकते हैं।

वीकेंड पर उमड़ी भीड़ तो लागू होगा प्लान-बी, मसूरी जाने वालों के लिए बड़े बदलाव

जाम से बचने के लिए तुरंत चेक करें रूट, देहरादून पुलिस का नया ट्रैफिक डायवर्जन



की तरफ डायवर्ट किए जाएंगे। अत्यधिक दबाव होने पर किमाड़ी और हाथीपांव मार्ग का भी उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा, मॉल रोड और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर दबाव बढ़ने पर स्थानीय स्तर पर बैरिकेडिंग कर ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्गों की तरफ भेजा जाएगा।

मसूरी क्षेत्र में यातायात और वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने के लिए तीन चरणों के प्लान तैयार किए गए हैं। मसूरी की कुल पार्किंग क्षमता का 90 प्रतिशत हिस्सा भरते ही 'प्लान-बी' सक्रिय हो जाएगा, जिसके तहत पर्यटकों के वाहनों को किंग क्रेग पार्किंग में ही रोक लिया जाएगा। वहां से पर्यटकों को स्थानीय टैक्सियों के जरिए आगे भेजा जाएगा। यदि किंग क्रेग पार्किंग भी फुल होती है, तो 'प्लान-सी' के तहत वाहनों को गज्जी बैंड से हाथीपांव रोड होते हुए जीरो पॉइंट की ओर डायवर्ट किया जाएगा और सड़क किनारे निर्धारित स्थलों पर पार्क कराया जाएगा।

ऋषिकेश और तपोवन जाने वाले पर्यटकों के लिए भी पुलिस ने नेशनल हाईवे और बाईपास रूट तय किए हैं। भारी वाहनों को नेपाली फार्म से देहरादून की ओर डायवर्ट किया जाएगा और रात में नो-एंट्री खुलने के बाद ही उन्हें प्रवेश मिलेगा। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि चंद्रभागा पुल से जयराम आश्रम तिराहा हरिद्वार रोड तक के हिस्से को ऑटो और विक्रमों के लिए पूरी तरह 'जीरो जोन' घोषित कर दिया गया है। इस दौरान कोई भी ऑटो या वाहन सवारी उतारने के लिए नहीं रुकेगा। पुलिस ने पर्यटकों से अपील की है कि वे सफर के दौरान यातायात नियमों का पालन करें और अनावश्यक हॉर्न बजाने से बचें।

देहरादून (नि०स०)। वीकेंड पर पहाड़ों की रानी मसूरी और तीर्थ नगरी ऋषिकेश का रुख करने वाले पर्यटकों के लिए बड़ी खबर है। आगामी 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक के लिए देहरादून जिला पुलिस ने एक व्यापक और सख्त ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया है। पर्यटकों की भारी भीड़ और संभावित जाम से निपटने के लिए इस बार प्रशासन ने कई स्तरों पर रूट डायवर्जन और पार्किंग के नए विकल्प तैयार किए हैं, जिससे सैलानी बिना किसी परेशानी के अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

पुलिस प्रशासन ने दिल्ली, हरियाणा, गाजियाबाद और मेरठ की ओर से आने वाले वाहनों को सुगम रास्ता देने के लिए प्लान ए और प्लान बी तैयार किए हैं। एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहन टाटकाली, आरटीओ चेकपोस्ट और ट्रांसपोर्ट नगर तिराहे से होते हुए शिमला बाईपास और बल्लपुर चौक



मेघ राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते हैं। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ आज का दिन मनोरंजक गुजरेगा। आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज सोचा हुआ आपका काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, इससे आज आप दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएं। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती है। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेन्ट हाउस और ईवेंट मनेजमेंट का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, बढ़िया मुनाफा होने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साईंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते हैं। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूक्म के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते हैं। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अगर आज किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें हैं तो माता-पिता की राय अवश्य लें निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें हैं तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा अपने स्टडी प्लान में जरूरी बदलाव करेंगे। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपको सबकी बातें ध्यान से सुननी चाहिए। आज आपको आर्थिक रूप से अधिक लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते हैं। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

काँप के किरदार में नजर आएंगी शीना चौहान



अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु फिल्म जातस्य मरणं ध्रुवम् रिलीज के लिए साइकोलॉजिकल इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर लेकर तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में काँप

की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, जातस्य मरणं ध्रुवम् शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और काँप का किरदार निभाना बहुत ही शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।

श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है। फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि फिल्म का निर्माण सुलक्ष एंटरटेनमेंट मीडिया के बैनर तले मलकापुरम शिव कुमार कर रहे हैं।

फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीरत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंधियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी अनुषा के रोल में एक्शन

और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी। यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और

मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म जातस्य मरणं ध्रुवम् अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है। फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

इसे सुनते ही डांस करने का मन करता है, हेली शाह का नवरात्र स्पेशल सॉन्ग गलगोटो रिलीज

एक्ट्रेस हेली शाह इन दिनों अपने अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। ओटीटी शो चुंबक में कॉमेडी रोल में नजर आने के बाद अब हेली शाह का एक बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। वह फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो में नजर आ रही हैं, जिसे नवरात्र सेलिब्रेशन से पहले रिलीज किया गया है। गाने में हेली शाह और देवर्षि शाह की जोड़ी दिखाई दे रही है, जबकि इसे मोनाली ठाकुर, पार्थ ओझा और सुहित अभ्यंकर ने अपनी आवाज दी है। गलगोटो



को लेकर हेली शाह भी काफी एक्साइटेड हैं। एक्ट्रेस ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, इसे सुनते ही किसी का भी उठकर डांस करने का मन करने लगता है। इस गाने की शूटिंग का पूरा एक्सपीरियंस काफी एनर्जी से भरा हुआ था। मैं चाहती हूँ कि लोग इस गाने के साथ नवरात्र सेलिब्रेट करें और इसे खूब एंजॉय करें। उन्होंने आगे कहा, गाने का म्यूजिक वीडियो भी फेस्टिव फील देता है। इसमें तेज बीट्स, एनर्जेटिक म्यूजिक और कलरफुल विजुअल ट्रीटमेंट का इस्तेमाल किया गया है। नवरात्र के दौरान गरबा और डांस के माहौल को देखते हुए गाने की पूरी फील को काफी ज़रन वाला रखा गया है। गलगोटो को मोनाली ठाकुर, पार्थ ओझा और सुहित अभ्यंकर ने गाया है। गाने को सुहित अभ्यंकर ने कंपोज किया है, जबकि इसके लिरिक्स जय तन्ना ने लिखे हैं। पीयूष शंकर ने गाने को प्रोड्यूस किया है। तीन अलग-अलग आवाजों के साथ तैयार किया गया यह ट्रैक म्यूजिक और एनर्जी के मामले में काफी अलग है। सिंगर मोनाली ठाकुर ने भी गलगोटो को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह गाना एनर्जी, रिदम और खुशी से भरा हुआ है। लोग इस गाने पर दिल खोलकर डांस करेंगे और इस साल नवरात्र में इसे अपनी प्लेलिस्ट का हिस्सा बनाएंगे। वहीं टाइम्स म्यूजिक सीईओ मंदार ठाकुर ने कहा, नवरात्र देश के सबसे बड़े कल्चरल सेलिब्रेशन में से एक है। गलगोटो में इसके लिए जरूरी एनर्जी, म्यूजिक और विजुअल अपील को एक साथ लाने की कोशिश की गई है। गाने का फेस्टिव साउंड और इसका विजुअल ट्रीटमेंट नवरात्र के माहौल को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गलगोटो अब सभी बड़े ऑडियो प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रहा है।

आयुष्मान खुराना के साथ मुपापा में नजर आएंगी अभिनेत्री श्रेया चौधरी, वाईआरएफ लगाएगा बड़ा दांव



अभिनेता आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म मुपापा को लेकर नया अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री श्रेया चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रेया को बॉन्डिंग बैडिट्स और द मेहता बॉयज जैसे धारावाहिकों के जरिए दर्शकों के बीच पहचान मिली है। अब वह बड़े पर्दे पर आयुष्मान के साथ जोड़ी बनाती दिखाई देंगी। इसी साल जुलाई में आयुष्मान खुराना के मुपापा से जुड़ने की खबर सामने आई थी। फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय विधानी इसके निर्माता हैं, जबकि फिल्म का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं। श्रेया चौधरी का फिल्म से जुड़ना उनके अभिनय करियर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डिजिटल मंच पर अपने काम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित



करने के बाद अब वह यशराज फिल्म्स की आगामी रोमांचक फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। बताया गया है कि यशराज फिल्म्स की प्रतिभा प्रबंधन शाखा ने श्रेया को विशेष प्रबंधन के लिए अनुबंधित भी किया है। इससे उनके पेशेवर सफर में एक नया अध्याय जुड़ गया है। मुपापा को निर्माताओं ने एक अलग तरह की सिनेमाघर केंद्रित फिल्म बताया है। फिल्म की कहानी और प्रस्तुति को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन निर्माताओं का दावा है कि यह दर्शकों को नया दृश्य अनुभव देगी और कहानी की शुरुआत से अंत तक उन्हें बांधे रखेगी।

फिल्म के निर्माण में यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स का साथ आना भी इसे खास बनाता है। आयुष्मान खुराना की फिल्मों में आमतौर पर अलग विषय और कहानी देखने को मिलती है। ऐसे में मुपापा में उनकी भूमिका

और श्रेया चौधरी के साथ उनकी जोड़ी को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। निर्माताओं ने मुपापा की प्रदर्शन तिथि भी घोषित कर दी है। यह फिल्म 19 फरवरी 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म की कहानी और कलाकारों से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा आने वाले दिनों में किए जाने की उम्मीद है। वहीं, आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्मों में सूरज बडजात्या के निर्देशन में बन रही ये प्रेम मोल लिया भी शामिल है। इस फिल्म को लेकर भी अभिनेता के प्रशंसकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है।

रामायण से राजा दशरथ के अवतार में अरुण गोविल की पहली झलक आई

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण: भाग 1 से अरुण गोविल का पहला पोस्टर आ गया है। इस पौराणिक महाकाव्य में वह भगवान श्रीराम के पिता राजा दशरथ का किरदार निभा रहे हैं। पोस्टर में उनका भव्य लुक देखने को मिला है, जो लोगों को मंत्रमुग्ध कर देगा। रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म अपनी रिलीज से अब ज्यादा दूर नहीं है। इसका ट्रेलर पहले ही आ चुका है, जिसने लोगों को खूब उत्साहित किया हुआ है। पोस्टर में अरुण एक विशाल

और कलात्मक सोने के सिंहासन पर बैठे हैं, जो अयोध्या के महाराजा की सत्ता, ऐश्वर्य और अधिकार को दर्शाता है। उनके चेहरे पर एक गंभीर, शांत और गहराई से भरा भाव मौजूद है। पारंपरिक रेशमी धोती और अंगवस्त्र में उनका शाही अंदाज देखने लायक है। कैप्शन में लिखा है, उन्होंने एक पीढ़ी के लिए राम का जीवंत चित्रण किया था। अब वे अयोध्या के राजा के रूप में रामायण की दुनिया में लौट रहे हैं। निर्माताओं ने पोस्टर के सबसे नीचे



बड़े अक्षरों में दिवाली, 2026 वर्ल्डवाइड लिखा है, जो यह पुष्टि करता है कि फिल्म का यह पहला भाग दिवाली पर दुनियाभर के सिनेमाघरों और आइमैक्स फॉर्मेट में रिलीज होगा। इसमें रणबीर के अलावा, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे और सनी देओल, लारा दत्ता, विवेक ओबेरॉय और रकुल प्रीत सिंह समेत कई सितारे मौजूद हैं। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा ने अपनी कंपनी ग्लोबल प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले किया है।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए 'पीएम राहत' और 'नेक राहगीर' योजना वरदान : खजान दास

देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देहरादून के सर्वे चौक स्थित अनुसंधान विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान (आईआरडीटी) ऑडिटोरियम में एक दिवसीय विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में प्रधानमंत्री राहत योजना तथा नेक राहगीर (राह-वीर) योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार और प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री खजान दास एवं जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। संगोष्ठी में पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विशेषज्ञ और चिकित्सक उपस्थित रहे।

जीवन रक्षा के लिए संवेदनशीलता आवश्यक-खजान दास

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री खजान दास ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए प्रत्येक व्यक्ति का जागरूक और संवेदनशील होना आवश्यक है। दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाना और उसे प्राथमिकता के आधार पर उपचार उपलब्ध कराना जीवन बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने संगोष्ठी को जनहित में



महत्वपूर्ण पहल बताते हुए प्रधानमंत्री राहत एवं राह-वीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आए।

त्वरित उपचार ही सच्ची मानव सेवा-डॉ. आशीष चौहान

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल होने वाला व्यक्ति केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि किसी परिवार

की उम्मीदों और जिम्मेदारियों का आधार होता है। दुर्घटना के बाद परिवार जिस पीड़ा और संकट से गुजरता है, उसे समझते हुए प्रत्येक व्यक्ति को मानवीय संवेदना के साथ आगे आना चाहिए। घायल को समय पर उपचार उपलब्ध कराना ही सच्ची मानव सेवा है।

उन्होंने ई-डीएआर एवं टीएमएस पोर्टल पर प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाने तथा संबंधित सुविधाओं का अधिकाधिक अस्पतालों तक प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित

करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि रोकने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ आमजन की सहभागिता भी जरूरी है।

घायलों को 1.50 लाख तक कैशलेस उपचार की सुविधा

विशेषज्ञों ने बताया कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 1.50 लाख तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है। वहीं, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर के दौरान अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करने वाले राह-वीर को 25 हजार तक की पुरस्कार राशि दिए जाने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, वर्षभर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चयनित राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर 1 लाख की पुरस्कार राशि, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना और आम नागरिकों को बिना किसी भय या

संकोच के घायलों की सहायता के लिए प्रोत्साहित करना है। योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित पात्रता एवं प्रक्रिया के अनुसार पात्र अस्पतालों में उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही, आपातकालीन नंबर 112, पुलिस के ई-डीएआर (म-व।ट) तथा नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के टीएमएस 2.0 प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबंधित प्रक्रियाओं को संचालित किया जाता है।

हर घंटे औसतन 21 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत

संगोष्ठी के दौरान विशेषज्ञों ने सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि देश में प्रतिवर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होती है और लाखों लोग घायल होते हैं। प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिवर्ष लगभग 5.13 लाख हादसे होते हैं, जिनमें करीब 1.83 लाख लोगों की मृत्यु तथा 4.6 लाख लोग घायल होते हैं। इन आंकड़ों के अनुसार, औसतन हर घंटे लगभग 21 लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में चली जाती है। दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों में 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी भी चिंताजनक है।

ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत देने के निर्देश, सर्वे और भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाएं अधिकारी: गणेश जोशी

देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)।

प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को कैप कार्यालय में कृषि एवं उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की फसलों के नुकसान का तत्काल सर्वे का कार्य पूर्ण करने और राहत राशि के भुगतान से संबंधित सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करने के सख्त निर्देश दिए। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किसानों को राज्य सरकार की ओर से भी आपदा मानकों के समान अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। बैठक के दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश में कृषि एवं उद्यान क्षेत्र की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए अधिकारियों को अधिक से अधिक किसानों को कीवी और ड्रैगन फ्रूट की खेती से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में इन फसलों के उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। ऐसे में किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी योजनाओं का निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और तय लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में मौन पालन के माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने अधिकारियों को अधिक से अधिक किसानों को मौन पालन से जोड़ने, उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देने और विभागीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री जोशी ने फार्म मशीनरी बैंक की अधिकतम स्थापना, पॉलीहाउस निर्माण और प्रदेश में टेस्टिंग लैब की स्थापना से संबंधित कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने एरोमा सेक्टर की संभावनाओं पर जोर देते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में लैवेंडर और डेंडेलॉइन जैसी फसलों को



प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एरोमा क्षेत्र में अधिक से अधिक किसानों को जोड़कर नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सकें। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषि एवं उद्यान विभाग की सभी योजनाएं समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतरनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी निष्ठा और मनोयोग से कार्य करें, ताकि योजनाओं का वास्तविक लाभ किसानों तक पहुंचे और प्रदेश में कृषि एवं उद्यानिकी को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

सम्पादन मण्डल

समाचार सम्पादक: डॉ. वी.डी. शर्मा
संवाददाता: रजत शर्मा
संरक्षक सलाहकार: डा. अश्विनी कांबोज
कानूनी सलाहकार: यशस्वी शर्मा (एड.)
अश्वनी मुद्गल (एड.)

देवपथ

हिन्दी सांध्य संस्करण

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।

सम्पादक : रामेश्वर दत्त शर्मा

नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।

मोबाईल: 9358129177, 9557316580

पशुधन प्रसार अधिकारी एवं सर्वेक्षक की लिखित परीक्षा के लिए तैयारियां पूर्ण, जिला प्रशासन ने किए पुरस्का इंतजाम



देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)। आगामी 18 अक्टूबर, 2026 (रविवार) को जनपद देहरादून में आयोजित होने वाली पशुधन प्रसार अधिकारी एवं सर्वेक्षक की लिखित परीक्षा-2026 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। परीक्षा के सुचारु संचालन तथा परीक्षा की शुचितता एवं गोपनीयता बनाए रखने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के.के. मिश्रा की अध्यक्षता में कोषागार सभागार में सेक्टर मजिस्ट्रेटों की बैठक आयोजित की गई।

जनपद में पशुधन प्रसार अधिकारी एवं सर्वेक्षक के पदों के लिए लिखित परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पशुधन प्रसार

अधिकारी की परीक्षा के लिए जनपद में कुल 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 8,957 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। यह परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार सर्वेक्षक के पदों के लिए लिखित परीक्षा जनपद के 4 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें कुल 1,535 अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे। सर्वेक्षक की परीक्षा अपराह्न 03 बजे से सायं 05 बजे तक आयोजित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कार्मिक परीक्षा से संबंधित दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। परीक्षा के दौरान आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता तथा शांतिपूर्ण संचालन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर समयबद्ध व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों के बीच समन्वय

बनाए रखने तथा परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न होने देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि परीक्षा संपन्न होने के उपरांत आयोग के निर्धारित मानकों एवं प्रक्रिया के अनुसार मूल ओएमआर शीट तथा नमूना सील सहित परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री कोषागार में सुरक्षित जमा कराना सुनिश्चित करें। गोपनीय सामग्री के रखरखाव, परिवहन एवं जमा करने के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का पूर्ण अनुपालन किया जाए, ताकि परीक्षा की गोपनीयता एवं विश्वसनीयता बनी रहे। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पूर्व पहुंचें तथा परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अनुशासन बनाए रखें। परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट अथवा किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व आयोग द्वारा जारी निर्देशों का भली-भांति अवलोकन कर लें तथा परीक्षा केंद्र पर निर्धारित नियमों का पालन करें।

शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने किया नव उच्चीकृत विद्यालयों का ई-लोकार्पण



देहरादून, 16 अक्टूबर (नि०स०)। सूबे के छात्र-छात्राओं को गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत नव उच्चीकृत 62 विद्यालयों का आज विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज वर्चुअल माध्यम से ई-लोकार्पण किया। इसके साथ ही इन सभी उच्चीकृत विद्यालयों में बड़ी कक्षाओं का संचालन विधिवत शुरू हो गया है। विद्यालयों के उच्चीकरण से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को अब घर से दूर पढ़ने को नहीं जाना पड़ेगा बल्कि उन्हें अब अपने ही विद्यालयों में गुणवत्तपूर्ण शिक्षा मिल सकेगी, साथ ही प्रदेश की ड्रॉपआउट दर में भी कमी आयेगी। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय ननूरखेड़ा स्थित आईसीटी लैब के स्टूडियो से आज विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नव उच्चीकृत 62 विद्यालयों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया। इस अवसर पर डॉ. रावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में गुणवत्तपरक शिक्षा के विस्तार को लगातार कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदेशभर के 62 विद्यालयों का उच्चीकरण किया, जिसमें 8 हाईस्कूल स्तर तथा 54 इण्टरमीडिएट स्तर के विद्यालय शामिल हैं। जिसमें पौड़ी व चमोली जनपद में 4-4, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, देहरादून, अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ जनपद में 3-3, टिहरी व बागेश्वर में 5-5, हरिद्वार 7, नैनीताल 6 तथा चम्पावत व ऊधमसिंह नगर जिले में 8-8 विद्यालय शामिल हैं। विभागीय मंत्री ने कहा कि इन विद्यालयों के उच्चीकरण के लिये स्थानीय लोग व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा लम्बे समय से मांग की जा रही थी, यहां तक कि पिथौरागढ़ के जबली और चमोली के मानमती में विद्यालयों के उच्चीकरण के लिये आम लोगों को धरने पर भी बैठना पड़ा।